Important News: World

1. ग्लोबल विंड रिपोर्ट 2022

चर्चा में क्यों?

- **2022 के लिए ग्लोबल विंड रिपोर्ट** वैश्विक पवन ऊर्जा परिषद (GWEC) द्वारा प्रकाशित की गई है।

प्रमुख बिंदु

रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने हेतु पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों में वर्ष 2021 के दौरान स्थापित 94 GW (गीगावाट) की पवन ऊर्जा क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रत्येक वर्ष चार गुना बढ़ाने की आवश्यकता है।
- आवश्यक प्रवर्धन के बिना पूर्व-औद्योगिक स्तरों पर ग्लोबल वार्मिंग को पेरिस समझौते द्वारा निर्धारित लक्ष्य के तहत 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना तथा वर्ष 2050 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है।
- वर्ष 2022 में नए अपतटीय प्रतिष्ठानों के वर्ष 2019/2020 के स्तर तक घटने की संभावना है। यह गिरावट मुख्य रूप से चीन में प्रतिष्ठानों की कमी के कारण होगी।
- हालाँकि वर्ष 2023 में बाज़ार में पुनः वृद्धि होने की संभावना है जो अंततः वर्ष 2026 में 30GW के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी।
- यदि अपतटीय पवन ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाया जाता है, तो 2050 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन हर साल 0.3-1.61 गीगाटन कम हो सकता है।

भारत में दायरा:

- भारत में वर्ष 2021 में 1.4 GW से अधिक पवन ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई जो पिछले वर्ष प्राप्त 1.1 GW की क्षमता से अधिक थी।

- केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) ने 2022 तक 5 GW अपतटीय क्षमता और 2030 तक 30 GW स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। भारत को अभी अपनी अपतटीय पवन ऊर्जा सुविधा विकसित करनी है।
- भारत अपनी 7,600 किमी की तटरेखा के साथ 127 गीगावाट अपतटीय पवन ऊर्जा का उत्पादन कर सकता है।

संबंधित पहल:

- राष्ट्रीय पवन-सौर हाइब्रिड नीति
- राष्ट्रीय अपतटीय पवन ऊर्जा नीति

स्रोत: DTE

Important News: India

2. भारत ने नेबरहुड आउटरीच पर पहला विदेश मंत्रालय के नेतृत्व वाला अंतर-मंत्रालयी समन्वय समूह बनाया

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला द्वारा भारत के नेबरहुड आउटरीच पर **अंतर-मंत्रालयी समन्वय समूह (IMCG)** की पहली बैठक बुलाई गई थी।

प्रमुख बिंदु

- बैठक का केंद्र बिंदु सीमा अवसंरचना का निर्माण था जो नेपाल जैसे पड़ोसियों के साथ अधिक व्यापार की सुविधा प्रदान करेगा; आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के मामले में भूटान और मालदीव जैसे देशों की विशेष जरूरतें; बांग्लादेश के साथ रेल संपर्क खोलना; अफगानिस्तान और म्यांमार को मानवीय सहायता; और श्रीलंका के साथ मत्स्य पालन का मुद्दा।

अंतर-मंत्रालयी समन्वय समूह (IMCG) के बारे में:

- IMCG को विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिवों द्वारा बुलाई गई अंतर-मंत्रालयी संयुक्त कार्यबल (JTFs) द्वारा समर्थित किया जाता है।
- **"नेबरहुड फर्स्ट" नीति** के तहत अधिक से अधिक संपर्क, मजबूत अंतर-संपर्क और लोगों से लोगों के बीच अधिक से अधिक जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए एक संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण अपनाया गया है।
- इसमें केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों के साथ समन्वय शामिल है।

स्रोत: ET

3. 'स्वनिधि से समृद्धि' योजना

चर्चा में क्यों?

- आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के सचिव मनोज जोशी ने 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अतिरिक्त 126 शहरों में **'स्वनिधि से समृद्धि' योजना** का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

'स्वनिधि से समृद्धि' योजना के बारे में:

- 'स्वनिधि से समृद्धि', पीएमस्वनिधि की एक अतिरिक्त योजना है जो 4 जनवरी 2021 को चरण-1 में 125 शहरों में शुरू किया गया था, जिसमें लगभग 35 लाख स्ट्रीट वेंडर और उनके परिवार को शामिल किया था।
- चरण-1 की सफलता को ध्यान में रखते हुए MoHUA ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कुल 20 लाख योजना स्वीकृतियों के लक्ष्य के साथ 28 लाख स्ट्रीट वेंडर और उनके परिवारों को कवर करने के उद्देश्य से देश के अतिरिक्त 126 शहरों में इस योजना का विस्तार शुरू किया है।

पीएमस्वनिधि (PMSVANidhi) योजना के बारे में:

- MoHUA 1 जून 2020 से प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि), एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना लागू कर रहा है।
- इस योजना का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को कम ब्याज दर और आसान शर्तों पर काम करने के लिए पूंजी ऋण प्रदान करना है। इस योजना ने सफलतापूर्वक 30 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को फायदा पहुंचाया है।
- कार्यक्रम के तहत, भारत सरकार की 8 कल्याणकारी योजनाओं के लिए उनकी पात्रता का आकलन करने और पात्र योजनाओं की मंजूरी के लिए पीएमस्वनिधि लाभार्थियों और उनके परिवारों की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइलिंग की जाती है।
- इन योजनाओं में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, भवन और अन्य निर्माण श्रमिक (रोजगार और सेवा शर्तों का विनियमन) अधिनियम (BOCW), प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) पोर्टेबिलिटी लाभ-एक राष्ट्र एक राशन कार्ड (ONORC), जननी सुरक्षा योजना, और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) के तहत पंजीकरण शामिल हैं।
- इस योजना के लिए क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI) कार्यान्वयन भागीदार है।

स्रोत: PIB

4. 11 वर्षों में पहली बार, घरेलू पेटेंट दायर किए जाने की संख्या भारत में अंतरराष्ट्रीय पेटेंट फाइलिंग की संख्या से अधिक हुई

चर्चा में क्यों?

- भारत ने IP नवोन्मेषण परितंत्र के संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित कर ली है जिसमें 11 वर्षों में पहली बार, जनवरी-मार्च 2022 के दौरान घरेलू पेटेंट दायर किए जाने की संख्या भारत में अंतरराष्ट्रीय पेटेंट फाइलिंग की संख्या से अधिक हो गई, अर्थात दायर किए गए कुल 19796 पेटेंट आवेदनों में से

भारतीय आवेदकों द्वारा 10706 पेटेंट आवेदन दायर किए गए जबकि गैर भारतीयों ने 9090 आवेदन दायर किए।

प्रमुख बिंदु

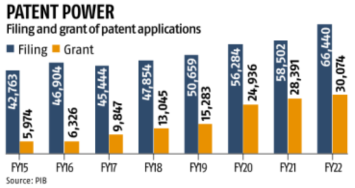

- पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा की गई कुछ प्रमुख पहलों ने भारत की IP व्यवस्था को मजबूत बनाया है जिसमें ऑनलाइन फाइलिंग पर 10 प्रतिशत की छूट, स्टार्ट-अप्स, छोटी संस्थाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों के लिए 80 प्रतिशत शुल्क रियायत तथा अन्य वर्गों के साथ साथ स्टार्ट-अप्स, और MSME के लिए त्वरित परीक्षा के प्रावधान शामिल हैं।
- यह भारत को वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में शीर्ष 25 देशों में शामिल होने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के एक कदम और निकट ले जाएगा।

राष्ट्रीय IPR नीति द्वारा निर्धारित आधारशिला तथा सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की बदौलत भारत ने निम्नलिखित उपलब्धियां अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है:

- पेटेंट दायर करने की संख्या वित्त वर्ष 2014-15 के 42763 से बढ़ कर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 66440 तक पहुंच गई जो सात वर्षों की अवधि में 50 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है
- वित्त वर्ष 2014-15 (5978) की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 (30,074) में पेटेंट प्रदान किए जाने की संख्या में लगभग पांच गुनी बढोतरी हुई
- विभिन्न प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों के लिए पेटेंट की जांच के समय में कमी जिसमें 2016 के दौरान 72 महीनों का समय लगता था जबकि अब 5 से 23 महीनों तक का समय लगता है
- **वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक** में भारत की रैंकिंग वित्त वर्ष 2015-16 के 81वें स्थान की तुलना में बेहतर होकर **2021 के दौरान 46वें स्थान** पर आ गई (35 स्थान ऊपर)

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

Important News: State

5. मुंबई को संयुक्त राष्ट्र द्वारा '2021 ट्री सिटी ऑफ द वर्ल्ड' के रूप में मान्यता दी गई

चर्चा में क्यों?

- **आर्बर डे फाउंडेशन के साथ संयुक्त राष्ट्र (UN) के खाद्य और कृषि संगठन (FAO)** द्वारा **मुंबई** को **'2021 ट्री सिटी ऑफ द वर्ल्ड'** के रूप में मान्यता दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- मुंबई को "स्वस्थ, लचीला और खुशहाल शहरों के निर्माण में शहरी पेड़ों और हरियाली को उगाने और बनाए रखने की प्रतिबद्धता" के लिए मान्यता मिली।
- मुंबई यह सम्मान पाने वाला भारत का दूसरा शहर है।
- इससे पहले, हैदराबाद यह सम्मान पाने वाला भारत का एकमात्र शहर था।
- संयुक्त राष्ट्र का 'ट्री सिटी ऑफ द वर्ल्ड' कार्यक्रम अपने शहरी वन के प्रति समुदायों के समर्पण के लिए दिशा, सहायता और विश्वव्यापी मान्यता प्रदान करता है, और एक स्वस्थ, टिकाऊ शहरी वानिकी के लिए एक ढांचा प्रदान करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Appointment

6. इकबाल सिंह लालपुरा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किये गए

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने पंजाब कैडर के सेवानिवृत्त IPS अधिकारी इकबाल सिंह लालपुरा को **राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM)** के अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया।

प्रमुख बिंदु

- लालपुरा, जिन्हें पहली बार पिछले साल सितंबर में अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था, को रोपड़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए दिसंबर में पद से इस्तीफा देना पड़ा था, जो वह हार गए थे।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) के बारे में:

- केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के तहत राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की।
- छह धार्मिक समुदाय, अर्थात; पूरे भारत में केंद्र सरकार द्वारा मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी और जैन को भारत के राजपत्र में अल्पसंख्यक समुदायों के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- **स्थापना:** 17 मई 1993
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली

स्रोत: HT

Important News: Award & Honours

7. NMDC ने 80वें स्कोच शिखर सम्मेलन 2022 में दो पुरस्कार जीते

चर्चा में क्यों?

- भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, **राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC),** इस्पात मंत्रालय के तहत 80वें स्कोच शिखर सम्मेलन 2022 में एक स्वर्ण और एक रजत पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- स्कोच शिखर सम्मेलन का विषय 'स्टेट ऑफ BFSI एंड PSU' था।
- NMDC ने परियोजना 'NMDC ITI भांसी के माध्यम से दंतेवाड़ा जिले में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा' के लिए सामाजिक उत्तरदायित्व की श्रेणी में गोल्ड अवार्ड और ERP कार्यान्वयन के लिए 'परियोजना कल्पतरु' के लिए डिजिटल समावेशन श्रेणी में रजत पुरस्कार जीता।

स्रोत: द हिंदू

Important News: Sports

8. नीदरलैंड ने चौथा FIH जूनियर महिला हॉकी विश्व कप 2022 का खिताब जीता

- **नीदरलैंड** ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में फाइनल में जर्मनी को हराकर अपना चौथा FIH जूनियर महिला हॉकी विश्व कप 2022 खिताब जीता।
- इससे पहले, इंग्लैंड ने तीसरे स्थान के मैच में कांस्य पदक का दावा करने के लिए 2-2 से ड्रॉ के बाद शूट-आउट में भारत को हरा दिया।
- **2022 महिला FIH हॉकी जूनियर विश्व कप** महिला FIH हॉकी जूनियर विश्व कप का नौवां संस्करण है, जो अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा आयोजित द्विवार्षिक महिला अंडर -21 फील्ड हॉकी विश्व चैंपियनशिप है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

Important News: Days

9. 14 अप्रैल, विश्व चगास रोग दिवस

चर्चा में क्यों?

- चगास रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 14 अप्रैल को विश्व चगास रोग दिवस मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- 2022 का **विषय** 'चगास रोग को हराने के लिए हर मामले की खोज और रिपोर्टिंग' है।

इतिहास:

- मई 2019 में WHO में विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा प्राप्त अनुमोदन के बाद, यह पहली बार 14 अप्रैल, 2020 को मनाया गया था।
- इसका नाम ब्राजील के डॉक्टर कार्लोस रिबेरो जस्टिनियानो चागास के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने 14 अप्रैल, 1909 को पहले मामले का निदान किया था।

नोट: विश्व चगास रोग दिवस विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा विश्व क्षय रोग दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व मलेरिया दिवस, विश्व टीकाकरण सप्ताह, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, विश्व रक्त दाता दिवस, विश्व हेपेटाइटिस दिवस, विश्व रोगी सुरक्षा दिवस, विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह और विश्व एड्स दिवस के साथ चिह्नित 11 आधिकारिक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक है।

स्रोत: who.int